

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय में छात्रों दीक्षांत समारोह आयोजित भारत कर रहा नव प्रवर्तकों और रचनात्मक विचारकों का उत्पादन : डॉ. काकोडकर



नव एक्सप्रेस

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय का छात्रों दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया और स्नातकों के नए बैच को स्नातक की उपाधि प्रदान की। परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व प्रमुख डॉ. अनिल काकोडकर, वर्तमान में नेशनल स्कूल ऑफ साइंसेज के प्रेसिडेंट इस अवसर के मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि पश्चिमी मान्यताओं के विपरीत, भारत पहले की तुलना में अब नव प्रवर्तकों और रचनात्मक विचारकों का उत्पादन कर रहा है। काकोडकर ने कहा नए और सुधारवादी विचारों के साथ नए स्नातकों को अवशोषित करने के लिए तैयार बाजार मौजूद है। जेकेएलयू छात्रों को वैश्विक संकाय द्वारा सिखाया गया है और इसलिए उन्होंने वैश्विक दृष्टिकोण हासिल किए हैं। आयोजकों ने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए 123 से अधिक छात्रों को उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर जेके विश्वविद्यालय ने अपने 2 नए केंद्र सेंटर फॉर ऑपरेशंस एक्सीलेंस और सेंटर फॉर डेटा साइंसेज ऑपरेशंस का उद्घाटन भी किया। सेंटर फॉर ऑपरेशंस एक्सीलेंस आपूर्ति श्रृंखला, विनिर्माण और सेवा संचालन में क्षमताओं के साथ एक बहु अनुशासनिक केंद्र होगा। शुरुआत करने

के साथ, केंद्र चार क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। केंद्र का नेतृत्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. युगल नौहरिया द्वारा किया जाएगा। सेंटर फॉर डेटा साइंसेज उभरते क्षेत्रों पर जेकेएलयू का ध्यान केंद्रित करता है, जो व्यापार को प्रभावित कर रहे हैं और सभी क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। जेकेएलयू के उपकुलपति प्रो. आशीष गुप्ता के मुताबिक सेंटर फॉर ऑपरेशंस एक्सीलेंस और सेंटर फॉर डेटा साइंसेज दोनों हमारे छात्रों को वास्तविक परियोजनाओं पर काम करने, उद्योग से जुड़ने और अधिक जानकारी हासिल करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेंगे।

प्रतिभाओं को स्वर्ण पदक : चार उत्कृष्ट छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत और श्रेष्ठता के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। तनुष्का जांगीड को एमबीए में विशेष छात्र के लिए स्वर्ण पदक मिला, तनुज कुमार को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में टॉपर के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में टॉपर के लिए गौरव मिश्रा को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। करण गुप्ता को बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ छात्र के लिए स्वर्ण पदक मिला। इस मौके पर जेकेएलयू के कुलपति डॉ. आरएल रैना ने कहा कि 2011 में जब पहली बार यह प्रयोगात्मक मॉडल शुरू हुआ तब से हम लंबी दूरी तय कर चुके हैं।

